मैं करां विणती ,सुण ले रे, ओ मण्डपिया के सांवरिया....

मैं करां विणती ,सुण ले रे,
ओ मण्डपिया के सांवरिया....

कई भगता ने दीदो रे,मारी सामे नालो रे,
मैं आयो शरणा थारी रे,ओ मण्डपिया के सांवरिया I
मैं करां विणती ,सुण ले रे,
ओ मण्डपिया के सांवरिया.....

छोरा-छोरी, दीदा घणा ने,पुरो परिवार बणायो रे,
मा पे भी हाथ धर दे रे ,ओ मण्डपिया के सांवरिया..II
मैं करां विणती ,सुण ले रे,
ओ मण्डपिया के सांवरिया.....

भंडारा सु निकले करोड़ा, बाठ दे तू थोड़ा थोड़ा
में थाके सरणे आग्यो रे ,ओ मण्डपिया के सांवरिया III
मैं करां विणती ,सुण ले रे,
ओ मण्डपिया के सांवरिया....

गजेंद्र थारा भजन बनाया ,धर्मेंद्र थारा भजन सुनाया
में दोन्यू हाथ जोड़ा रे, ओ मण्डपिया के सांवरिया IV
मैं करां विणती ,सुण ले रे,
ओ मण्डपिया के सांवरिया.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33539/title/Me-kara-vintati-sun-ke-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |